श्री यशपाल सिंह : यह बहुत इम्पार्टेंट क्वेश्चन है । इसको चलाया जाना चाहिये ।

Mr. Speaker: If that is the desire of the House, I will call as many Members as I can. Shri Tantia.

Shri Surendranath Dwivedy: But it has been agreed that there will be a discussion.

Mr. Speaker: Then I might pass on to the next question.

Soviet Assistance for Fourth Plan

+

*36. **Shri Rameshwar Tantia:**
Shri Himatsingka:
Shri Vishwa Nath Pandey:
Shri Ram Harkh Yadav:
Shri D. C. Sharma:
Shri P. K. Deo:
Shri Solanki:
Shri Kapur Singh:
Shri Marandi:
Shri Utiya:
Shri Yashpal Singh:
Shri Sidheshwar Prasad:
Shri M. Rampure:
Shri Mohammed Koya:

Will the Minister of **Planning** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that some Soviet experts visited India recently to discuss the Russian assistance for the Fourth Plan;

(b) whether it is also a fact that these experts visited some of the sites of operations and industrial establishments in the country; and

(c) if so, the broad features of the report, if any submitted by them in this regard, and the kind of assistance which Russia has agreed to give for the Fourth Plan?

The Minister of Planning (Shri B. R. Bhagat): (a) to (c). Yes, Sir. Soviet experts are at present discussing technical matters and visiting some places in India. The nature, quantum and other details of Soviet assistance for the Fourth Plan will be finalised after these discussions.

श्री रामेश्वर टांटिया : जिन मदों में रशियन एड मिलेगी फोर्थ प्लान में, वे मदें हम उनको बतायेंगे या वे बतायेंगे इन मदों में हम देंगे ? फटिलाइजर और सिंचाई के लिये कितना उसमें परसेंटेज होगा ?

श्री ब० रा० भगत: इन सब बातों पर बातचीत चल रही है । इस वास्ते अभी कुछ कहना बहुत मुश्किल है ।

श्री रामेश्वर टांटिया : बोकारो प्लांट के लिए हमारी जो बातचीत चल रही है उसमें क्या प्रगति हुई है और फोर्थ प्लान में उस में कितनी मदद मिलेगी ?

श्री ब० रा० भगत : बोकारो के लिए लगभग सौ करोड़ के लिए बातचीत चल रही है ।

Shri D. C. Sharma: May I know whether the Government of India discussed with the Russian team the quantum of defence needs required in this country and, if so, what are thier reactions to the defence plans of our country and how much are they going to help us in the fulfilment of the defence plan?

Shri B. R. Bhagat: They have come here in connection with assistance for the Fourth Plan. Defence is outside that.

Shri D. C. Shrama: Does it mean that we require no assistance for defence in the Fourth Plan.

Mr. Speaker: He said that it is outside and not covered by this; not that we do not require defence or assistance for defence in the Fourth Plan.

Shri Kapur Singh: I want to know whether the proposed Soviet assistance is likely to be restricted to basis heavy industries or it may include production of consumer goods also?

Shri B. R. Bhagat: It will largely be for expansion of the existing projects that have been taken in the

Third Plan and are to be completed. There are other items also. It will more or less be for capital and basic industries.

श्री यशपाल सिंह : क्या सरकार यह बतला सकती है कि इस्पात के मामले में कितनी इमदाद दी जा रही है और रूस ने हमारे डिफेंस वर्क्स के लिए कितना रुपया दिया है?

श्री ब० रा० भगत : इस्पात के लिए मैं ने कहा है कि बोकारो के लिए बातचीत चल रही है ।

Shri R. Ramanathan Chettiar: May I konw whether we have placed our proposals for aid in the Fourth Plan with the Soviet Government and, if so, what is the amount mentioned there?

Shri B. R. Bhagat: On a number of projects we had discussions earlier in Moscow. The team that has come here is going into the details of those projects. Once those projects are finalised we will be able to know the quantum of total aid.

Shri Indrajit Gupta: Has any suggestion been made from our side to modify the project report of Bokaro in such a way that the country's urgent needs for special and alloy steel might be partly met?

Shri B. R. Bhagat: It is too early to say about that because the details are still being worked out.

श्री सरजू पाण्डेय : क्या यह बात विचाराधीन है कि रूस की सहायता से छोटे ट्रेक्टरों के कारखाने स्थापित किए जायेंगे ?

श्री ब० रा० भगत : इस बारे में कुछ कह सकना मुश्किल है कि कौन कारखाना लिस्ट में आवेगा कौन नहीं ।

Shri Hem Barua: In the joint communique issued after our Prime Minister's visit to Moscow it was stated that Soviet Russia was prepared to give economic aid to India. May I know whether after the joint communique was issued any idea of the quantum and the nature of aid was formulated or visualized?

Shri B. R. Bhagat: No, Sir. It has not emerged in that form yet.

Dr. L. M. Singhvi: May I know whether in the plans for Soviet aid a project for the manufacture and modernisation of MIGs in India is also being considered?

Shri B. R. Bhagat: That is outside the Plan; that is to say, it is not in the Fourth Plan.

श्री रामसेवक यादव : क्या मंत्री महोदय को इस बात की जानकारी है कि उत्तर प्रदेश में वाराणशी में एक छोटे ट्रेक्टरों का कारखाना रूसी मदद से खुल रहा है ?

श्री ब० रा० भगत : शायद थर्ड प्लान में होगा ।

श्री रामेश्वरानन्द : मैं यह जानना चाहता हूं कि जो इस योजना के लिए रूस सहायता दे रहा है क्या उसमें परिमाणू बम और उदजन बम बनाने के लिए भी कोई सहयोग मिलेगा ?

अध्यक्ष महोदय : आप बहुत बार मेरे ऊपर ऐतराज करते हैं कि आपका जवाब नहीं आता । लेकिन अगर आप जो वह कहते हैं उसको सुन लिया करें तो आपको ऐसा कहने का अवसर न मिले । वह कहते हैं कि अभी यह फैसला नहीं हुआ है कि किन किन कामों के लिए यह इमदाद लगायी जाएगी । इस वास्ते अणुबम तो अभी बहुत दूर है ।

श्री काशीराम गुप्त : क्या मंत्री महोदय बतलाने की कृपा करेंगी कि जो बातचीत चल रही है उस के बारे में रूपरेखा कब तक उन के सामने आ जावेगी ?

श्री ब० रा० भगत : इस टीम से अभी डिटेल में बात होगी । हमारे वित्त मंत्री भी अभी वहां जा रहे हैं । उसके बाद हम समझते हैं कि रूपरेखा तैयार हो जाएगी ।

Shri M. R. Krishna: May I know whether the assistance from the Soviet Union will be utilised only for starting new projects or it will be utilised also for projects which have already been started but not completed?

Shri B. R. Bhagat: The assistance will be utilised for both.

Shrimati Tarkeshwari Sinha: May I know whether there is any possibility of forming a consortium of Soviet Union, Yugoslovia, Czechoslovakia and other helping countries?

Shri B. R. Bhagat: Not at the moment.

Shri S. N. Chaturvedi: Is there any possibility of receiving untied loan from the Soviet Union?

Shri B. R. Bhagat: That is non-project loan.

श्री राम सहाय पांडेय : चौथी पंचवर्षीय योजना को पूरा करने के लिए जो सोवियट रूस से सहायता मिलने वाली थी उसके बारे में तो लड़ाई के पहले वार्ता हुई थी । मैं जानना चाहता हूं कि लड़ाई के संदर्भ में अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए क्या और वार्ता होगी ?

श्री ब० रा० भगत : वार्ता अभी हो रही है और हमारे वित्त मंत्री अगले हफ्ते वहां जा रहे हैं ।

Dr. Sarojini Mahishi: May I know what is the estimated quantum of assistance from the Soviet Union expected in the Fourth Plan for the completion of the projects undertaken in the Third Plan?

Shri B. R. Bhagat: That is a question of detail.

सैनिक अस्पतालों को सहायता

\+

*37. **श्री ब० ला० द्विवेदी :**
श्री स० चं० सामन्त :
श्री ओंकार लाल बेरवा :

क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्तमान भारत पाकिस्तान संघर्ष के दौरान उनके मंत्रालय द्वारा सैनिक अस्पतालों को दी गई सहायता का ब्यौरा क्या है ;

(ख) घायल जवानों के लिए मंत्रालय द्वारा असैनिक अस्पतालों में क्या सुविधाएं दी गई हैं तथा उनके विस्तार के लिये क्या उपाय किये गये हैं अथवा किये जा रहे हैं ;

(ग) क्या नागरिकों ने अस्पतालों में घायल जवानों की सहायता के लिये स्वेच्छापूर्वक अपनी सेवायें अर्पित की ; और

(घ) यदि हां, तो किस रूप में ?

स्वास्थ्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री पू० शे० नास्कर) : (क) जहां कहीं आवश्यक हुआ सैनिक अस्पतालों को सभी संभव सहायता दी गई । ब्यौरा देना सार्वजनिक हित में नहीं होगा ।

(ख) असैनिक अस्पतालों के विस्तार के लिये आवश्यक कदम उठाये गये हैं तथा उठाये जा रहे हैं । आवश्यकता पड़ने पर इन अस्पतालों में घायल जवानों के उपचार की सुविधायें दी गई हैं और दी जाती रहेंगी ।

(ग) जी हां ।

(घ) नागरिकों ने घायल जवानों के लिये खून देने का प्रस्ताव किया । स्वेच्छा से समाज सेवा करने वाले व्यक्तियों ने सैनिक अस्पतालों में नर्सिंग स्टाफ की सहायता के लिये अपने संगठन भी बनायें ।